एकादश आयतन यात्रा

इस यात्रा का उल्लेख प्राचीन लिंगपुराण १४ में नहीं है, परन्तु काशीखण्ड के प्रमाण से यह यात्रा अत्यन्त प्रसिद्ध है और आजकल भी होती है। इस यात्रा में लिंगपुराण की अष्टायतन यात्रा के प्रारम्भिक सात शिवलिंगों के बाद चार और आयतनों की यात्रा होती है।

ईश्वरगंगी के तालाब में स्नानोपरान्त यागेश्वर, उर्वशीश्वर, नकुलीश्वर, आषाढीश्वर, भारतभूतेश्वर, लांगलीश्वर, त्रिपुरान्तकेश्वर, मनः प्रकामेश्वर (साक्षीविनायक), प्रीतिकेश्वर (वहीं पर), मदालसेश्वर (कालिका गली के सामने में नैपालीखपरा में) तथा तिलपर्णेश्वर (दुर्गाकुण्ड पर) का दर्शन-पूजन-यही यात्रा का क्रम है।

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.